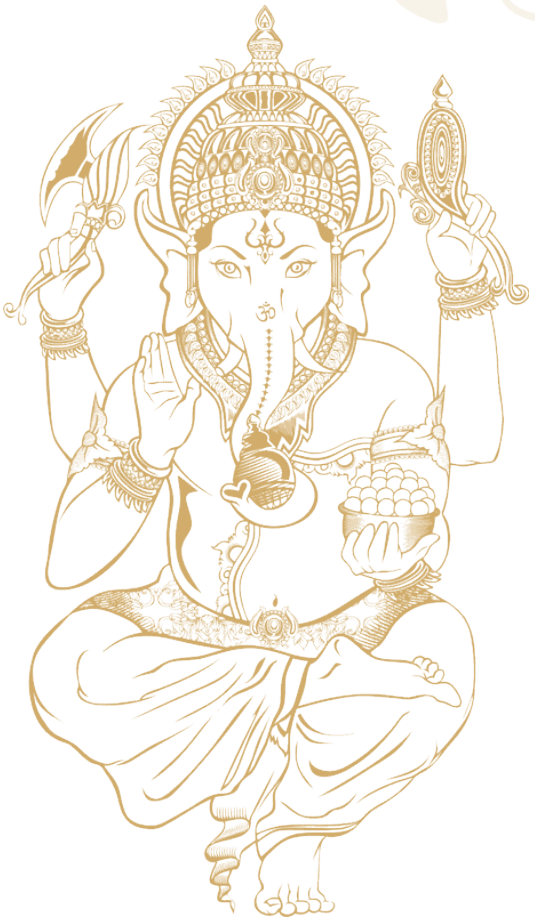

Sparsh Urvashi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121659502

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
16/01/2000	जन्म तिथि	28/10/2001
रविवार	दिन	रविवार
घंटे 17:46:00	जन्म समय	09:01:00 घंटे
घटी 26:19:55	जन्म समय(घटी)	06:20:07 घटी
India	देश	India
Meerut	स्थान	Meerut
29:00:00 उत्तर	अक्षांश	29:00:00 उत्तर
77:42:00 पूर्व	रेखांश	77:42:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:19:12	स्थानिक संस्कार	-00:19:12 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:14:02	सूर्योदय	06:28:57
17:43:40	सूर्यास्त	17:36:51
23:51:14	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:39

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
सूर्य 5वर्ष 10मा 1दि	03:10:32	कर्क	लग्न	वृश्चि	12:27:46	गुरु 10वर्ष 3मा 22दि
राहु	01:48:55	मक	सूर्य	तुला	10:54:12	शनि
18/11/2022	27:01:39	मेष	चंद्र	कुंभ	24:44:29	19/02/2012
17/11/2040	15:44:41	कुंभ	मंगल	मक	06:24:48	19/02/2031
राहु 31/07/2025	02:06:25	मक	बुध	कन्या	22:34:32	शनि 22/02/2015
गुरु 24/12/2027	02:22:45	मेष	गुरु	मिथु	21:45:51	बुध 01/11/2017
शनि 30/10/2030	25:57:53	वृश्चि	शुक्र	कन्या	21:51:45	केतु 11/12/2018
बुध 19/05/2033	16:27:07	मेष	शनि व	वृष	20:13:56	शुक्र 09/02/2022
केतु 06/06/2034	09:52:14	कर्क व	राहु व	मिथु	04:54:03	सूर्य 22/01/2023
शुक्र 06/06/2037	09:52:14	मक व	केतु व	धनु	04:54:03	चन्द्र 22/08/2024
सूर्य 01/05/2038	21:45:13	मक	हर्ष व	मक	27:02:07	मंगल 01/10/2025
चन्द्र 31/10/2039	09:53:30	मक	नेप	मक	12:08:37	राहु 07/08/2028
मंगल 17/11/2040	18:05:42	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	19:46:39	गुरु 19/02/2031

लग्न-चलित

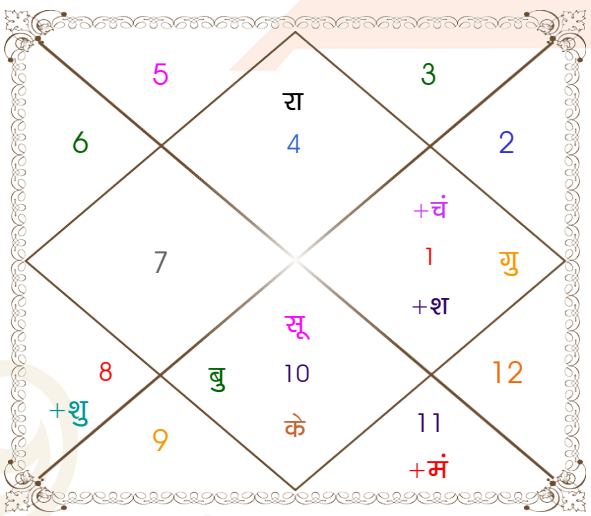

लग्न-चलित

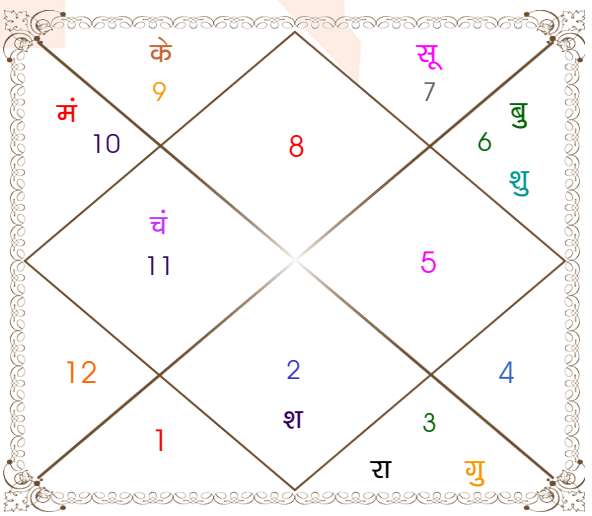

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मेष	सिंह	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शनि	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	मेष	कुम्भ	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	20.00		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

ैचंती का वर्ग गरूड़ है तथा न्तओंप का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसारै चंती और न्तओंप का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

ैचंती मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है। क्योंकि मंगलै चंती कि कुण्डली में अष्टम् भाव में कुम्भ राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

न्तओंप मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु न्तओंप कि कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।

त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल न्तओप कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

ैचंतेी तथा न्तओप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।